



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

9 आश्विन 1937 (श10)

(सं0 पटना 1118) पटना, वृहस्पतिवार, 1 अक्टूबर 2015

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

10 अगस्त 2015

सं0 22 नि0 सि0(मोति0)—08—05/2013/1776—श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह (आई0 डी0—3464), तत्कालीन सहायक अभियंता, त्रिवेणी नहर निर्माण अवर प्रमंडल, रामनगर सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, त्रिवेणी नहर प्रमंडल, रक्सौल के विरुद्ध वि0 दू0 126.00 पर निर्मित एक्वाडक्ट—सह—स्केप सेतु संरचना दिनांक 27.05.13 को क्षतिग्रस्त होने के क्रम में प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए आरोप प्रपत्र 'क' के साथ विभागीय पत्रांक 1244 दिनांक 04.10.13 द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया। पूछे गये स्पष्टीकरण का जवाब दिनांक 19.10.13 प्राप्त हुआ, जिसकी समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। समीक्षा में पाया गया कि श्री सिंह सिंचाई पटवन हेतु नहर संचालन के प्रभारी थे। इन्हें ज्ञात था कि नहर संरचना जर्जर हालात में है। ऐसी स्थिति में इनका दायित्व बनता था कि उक्त संरचना में किसी प्रकार के क्रिया—कलाप की पूर्ण जानकारी रखते, जबकि उक्त संरचना पर अवस्थित स्केप के गेट चालक इनके अधीन के कर्मचारी थे एवं स्केप खुलने के एक दिन बात संरचना क्षतिग्रस्त हुआ है। ऐसी स्थिति में यह माना जाना कि इन्हें गेट खुलने की जानकारी नहीं थी, समीचीन प्रतीत नहीं होता है। अतएव कथित संरचना का समुचित एवं सतत निगरानी नहीं रहने के कारण संरचना क्षतिग्रस्त होने के लिए श्री सिंह को दोषी माना गया है।

अतः मामले की सम्यक समीक्षोपरान्त श्री सिंह के विरुद्ध प्रमाणित दोषों के लिए निम्न दंड का निर्णय सरकार द्वारा ली गई—

(क) एक वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

उक्त निर्णय के आलोक में श्री सिंह, तत्कालीन सहायक अभियंता के विरुद्ध निम्न दंड अधिरोपित किया गया है—

(क) एक वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

उक्त दंड श्री सिंह को संसूचित किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
गजानन मिश्र,
विशेष कार्य पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 1118-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>